मैं भानु लली की दया चाहता हूँ भजन लिरिक्स

मैं भानु लली की दया चाहता हूँ,
अटारी की ताजी हवा चाहता हूँ,
भटकता रहा हूँ मैं दुनिया के दर पर,
अब चौखट पे तेरी पनाह चाहता हूँ।bd।

के सुना है तेरा दर है जन्नत का दरिया,
पहुचने का श्यामा तुम्ही एक जरिया,
यही एक तुमसे वफ़ा चाहता हूँ,
अटारी की ताजी हवा चाहता हूँ।bd।

के दयालू हो थोड़ी दया मुज पे कर दो,
और मस्ती का प्याला मेरे दिल मे भर दो,
मैं बीमार हूँ कुछ दवा चाहता हूँ,
अटारी की ताजी हवा चाहता हूँ।bd।

मैं भानु लली की दया चाहता हूँ,
अटारी की ताजी हवा चाहता हूँ,
भटकता रहा हूँ मैं दुनिया के दर पर,
अब चौखट पे तेरी पनाह चाहता हूँ।bd।

गायक – चरनजीत।
लेखक – श्री राजीव शास्त्री जी।
8295844424

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com